Selection Guaranteed here

Develop India Group

Visit at : https://www.developindiagroup.co.in/

You can find here

Current Affairs | Latest Jobs | Syllabus | Admit Cards | Question Papers | cut off | Answer keys | Results

Develop India Group India's largest online complete study notes providing website. We are providing complete study notes for UPSC Exams and all state civil services examinations like UPPSC, MPPSC, BPSC, JPSC, CGPSC, UKPSC, RAS/RTS etc. Except in these exams we are providing study notes for Judicial, IIT JEE, Engineering and medical entrance, GATE, CSIR, UGC NET, Banking, RRB and SSC exams.

Visit this site for more : https://www.developindiagroup.co.in/

Total No. of Printed Pages—3

4CCSME

MUNDARI LANGUAGE AND LITERATURE
मुण्डारी भाषा और साहित्य

PAPER—I

प्रश्न-पत्र—I

Full Marks : 200 *Time* : 3 hours

पूर्णांक : 200 *समय* : 3 घण्टे

प्रश्न के सामने दिए गए अंक पूर्णांक इंगित करते हैं

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है। **शेष चार** प्रश्नों में से कम-से-कम **एक** प्रश्न का उत्तर प्रत्येक खण्ड से देना अनिवार्य है। उत्तर यथासम्भव देवनागरी लिपि में लिखे जा सकते हैं, परन्तु प्रश्नवार लिपि बदलने की छूट नहीं होगी

खण्ड—क

1. लतर रे ओमाकन जगर रोकोमको रेअः बरनिका ओलेपे— 40

(क) हसादअः जगर

(ख) नगुरी जगर

(ग) केरअः जगर

(घ) लतर दिसुम मुण्डा जगर

2. मुण्डा जगर लोओःते दिसुम रेअः एटअः जगरको रेअः एनेटेः सेंड़ान होड़ोको ओको जगर उनुपन होरा (भाषा की उत्पत्ति के सिद्धान्त) तेको पिचा नमाकदा? ओलेपे। 40

3. होड़ो चि मुण्डा जगर रेअः उनुरुमको मियद् मियद् ते पिचा नमजद् लोओः ओलेपे। 40

4. निमतङ होड़ो चि मुण्डा जगर सइति रेअः दशा ओको लेका लेलोः तना? अपनअः विचार ओमजद् लोओः ओलेपे। 40

5. मुण्डारी रे उल्थाएपे— 40

एक घने जंगल में दो बूढ़ा-बूढ़ी रहते थे। वे वहीं खेतीबारी करते थे। वहीं बुढ़िया को एक बच्चा पैदा हुआ। बूढ़ा इसकी खबर देने के लिए अपने भाइयों के पास बस्ती में आया। माँ अकेले बच्चे को पालती-पोसती रही।

एक दिन वह पानी लाने गई थी और लौटते समय रास्ता भूल गई। वह इधर-उधर घूमकर बच्चे को खोजने लगी। बहुत देर के बाद उसे बच्चे के रोने की आवाज सुनाई पड़ी। जब उसने निकट जाकर देखा तो एक नाग बच्चे पर अपना फन फैलाकर उसकी रक्षा कर रहा था। माँ को बड़ा आश्चर्य हुआ, उसने तुरन्त बच्चे को गोद में उठाकर दूध पिलाया।

खण्ड—ख

6. होड़ो चि मुण्डा जगर सइति रे ओल अटलको (पत्र-पत्रिकाओं) ज'गे नमोः तना, एनाको रअः बरनिका ओलेपे। 40

7. होड़ो जगर सइति रे गमुइदि ओनोल रेअः हरा रनाकब उदुबूजद् लोओः ओलेपे। 40

8. 'होड़ो ससंकिर बबंरु' चलिता इनुङ पुथि ओल गोमकेअः सनङको उदुबूजद् लोओः ओलेपे। 40

9. जां मिद् होड़ोअः सइति उनुरुम (साहित्यिक परिचय) ओलेपेः 40

(क) काशीनाथ सिंह मुण्डा 'काण्डे'

(ख) प्रो० सुलेमान बडिंग्

10. 'बोंगा हर' कहनि रे डॉ० राम दयाल मुण्डाअः ओको विचारको नमोः तना? उकुता उदुबूजद् लोओः ओलेपे। 40

★★★

Total No. of Printed Pages—3

4CCSME

MUNDARI LANGUAGE AND LITERATURE

मुण्डारी भाषा और साहित्य

PAPER—II

प्रश्न-पत्र—II

Full Marks : 200 *Time* : 3 hours

पूर्णांक : 200 *समय* : 3 घण्टे

प्रश्न के सामने दिए गए अंक पूर्णांक इंगित करते हैं

कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या **1** अनिवार्य है। शेष **चार** प्रश्नों में से कम-से-कम **एक** प्रश्न का उत्तर प्रत्येक खण्ड से देना अनिवार्य है। उत्तर यथासम्भव देवनागरी लिपि में लिखे जा सकते हैं, परन्तु प्रश्नवार लिपि बदलने की छूट नहीं होगी

खण्ड—क

1. लतर रे ओमाकन जां बरिया पइति रेअः दिंगाएः बरनिका ओलेपे— 40

(क) अड़ंदि दुरङ

(ख) जपि दुरङ

(ग) जदुर दुरङ

(घ) करम दुरङ

2. अनायुम दुरङको रे डिण्डा सोमय रेअः बरनिका ओको लेका नमोः तना? ओलेपे। 40

3. ओको दुरङको अनायुम दुरङ मेनूते सुबाओः तना? बिनगा-बिनगा साको रे दुरङओः तन दुरङको उदुबूजद् लोओः ओलेपे। 40

4. अनायुम दुरङ रेअः हनाटिङको उदुबूजद् लोओः ओलेपे। 40

5. लतर रे ओमाकन दुरङ रे दुरङ बइ हरिया चिनअःएः कजि तना— 40

चिमिन-चिमिन गोम डिण्डा लेद्
असकल लेका-गोम खदिड़िन जन
चिमिन-चिमिन गोम डंगुवा लेद्
किकिर लेकागे गोम डबुरान जन।
असकल लेका-गोम खदिड़िन जन
जुलतन सेंगेल रेम खदिड़िन जन
किकिर लेका गोम डबुरान जन
इकिर दागे रेम डबुरान जन।
एंगाम अपुमएको बङको लेका
जुलेतन सेंगेल रेम खदिड़िन जन
हगाम बरेमको बङको लेका
इकिर दागे रेम डबुरान जन।

खण्ड—ख

6. अनायुम कहनिको रेअः मइन ओड़ोः मनारङ ओको लेका नमोः तना? ओलेपे। 40

7. कुलायकोअः बलाय कहनि रे डॉ० राम दयाल मुण्डा चिनअःए कजिअकदा? अपनअः विचार ओमजद् लोओः ओलेपे। 40

(Continued)

8. अनायुम कहनि चिनअः तनअः? अनायुम कहनि रेअः हनाटिङको उदुबूजद् लोओः ओलेपे। 40

9. मुण्डारी रे उल्थाएपे— 40

एक बार एक राजा ने एक आदमी को फाँसी की सजा दी। यह सुनकर वह अपने बाल-बच्चों के साथ जंगल की ओर भाग गया। जंगल में एक लड़का अपने माता-पिता से बिछुड़ गया। वह एक पेड़ के कोटर में रहने लगा। उस कोटर के ऊपर की ओर मधुमक्खियों का छत्ता था। लड़का उसी मधु रस को खाकर रहने लगा।

धीरे-धीरे लड़का जब कुछ बड़ा हुआ तो वह कोटर से बाहर निकलता था और मड़ुवा के खेत से मड़ुवा खाता था। किसान चिन्ता में पड़ गया, कि आखिर कौन जानवर मड़ुवा खा रहा है। एक दिन वह छिपकर बैठ गया। तो क्या देखता है एक लड़का कोटर से निकलकर मड़ुवा खा रहा है।

★★★